LATEST

NEWS

Election

Date : 08th Dec. 2025

Office of Chief Electoral Officer Rajasthan

https:/election.rajasthan.gov.in/

Follow us on:

CEORAJASTHAN

हेल्पलाइन 1950

ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 16 दिसंबर को

जोधपुर @ पत्रिका. लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआइआर-2026) कार्यक्रम के तहत राज्य में मतदाता सूची का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने उपलब्धि को 'टीम राजस्थान की सामूहिक विजय' बताते हुए कहा कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बीएलओ, सहायक कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अभूतपूर्व समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है। अब 16 दिसंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने योग्य मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे ड्राफ्ट सूची में अपने विवरण की जांच कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने में सहयोग करें।

एसआईआर कार्य पूरा होने पर बीएलओ सम्मानित

जोधपुर| सरदारपुर विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 171 में एसआईआर का कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर बीएलओ को सम्मानित किया गया। सरगरा कॉलोनी शिप हाउस के नागरिकों की ओर से नकुल सोडा, सहयोगी निधि भार्गव, विक्रम सिंह, सरगरा कॉलोनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संजू देवड़ा व आशा सहयोगिनी सीमा, बीएलओ राकेश रोशन, हिम्मत कुमार के कार्यों की सराहना के साथ स्वागत सम्मान किया गया।

राजस्थान में 16.46 लाख वोटर्स का नाम कटने का खतरा

विश्वास एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 97 प्रतिशत से ज्यादा वोटर्स को कोई दस्तावेज नहीं देने होंगे क्योंकि इन वोटर्स की मैपिंग का काम पूरा हो चुका है। अब केवल तीन प्रतिशत वोटर्स को ही दस्तावेज देने होंगे। 11 दिसंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना फॉर्म बांटेंगे, इसलिए आगे यह संख्या और कम होने के आसार हैं। प्रदेश में अभी 5 करोड़ 48 लाख 84 हजार 570 वोटर्स हैं। इनमें से केवल 16 लाख 46 हजार वोटर्स को ही दस्तावेज जमा करवाने पड़ेंगे। इन वोटर्स को निर्वाचन विभाग नोटिस जारी करेगा। इसके बाद भी यदि ये दस्तावेज जमा नहीं करवाएंगे तो उनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए जाएंगे। हर बूथ पर लगभग 30 वोटर्स दस्तावेज देने होंगे राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा- प्रदेश में 97 प्रतिशत से ज्यादा वोटर्स की मैपिंग पूरी होने से अब केवल 3 प्रतिशत वोटर्स को ही दावे-आपत्ति वाले फेज में दस्तावेज देने हैं। औसतन हर बूथ पर लगभग 30 वोटर्स ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी। 16 दिसंबर को वोटर लिस्ट के ड्राफ्ट का प्रकाशन होगा। 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक दावे और आपत्तियां ली जाएंगी। 16 दिसंबर से नोटिस जारी कर सुनवाई और वेरिफिकेशन कर दावों और आपत्तियों का फैसला किया जाएगा।

100 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन करने वाला पहला राज्य बना

राजस्थान महाजन ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत राजस्थान में वोटर लिस्ट का 100 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है। वोटर लिस्ट की मैपिंग में भी राजस्थान टॉप पर है।

नाम काटने से पहले होगी सुनवाई, फिर नोटिस

जिन्हें दस्तावेज देने होंगे और जिन्हें नोटिस मिलेंगे उनके भी नाम सीधे नहीं कटेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि सुनवाई का मौका दिए बिना किसी के नाम वोटर लिस्ट से नहीं काटा जाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण की वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट पब्लिकेशन होगा, उसमें घर नहीं मिलने वालों की लिस्ट होगी। ड्राफ्ट पब्लिकेशन में जिनके नाम नहीं होंगे, उन्हें सुनवाई का मौका दिया जाएगा। वे इसके बाद अपना पक्ष रख सकते हैं, पिछली एसआईआर में नाम है तो प्रमाण देकर नाम जुड़वा सकेंगे। पिछली एसआईआर में नाम नहीं है तो अपने माता-पिता का पिछली एसआईआर में नाम का प्रमाण और खुद का एक आईडेंटिटी प्रूफ देना होगा। ड्राफ्ट पब्लिकेशन में जिनके नाम नहीं होंगे, वे सुनवाई का मौका देने के बाद भी नहीं आएंगे उनके नाम कटेंगे।

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि

100% डिजिटाइजेशन कर देश का पहला राज्य बना राजस्थान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (स्ध्क्र2026) कार्यक्रम के तहत राज्य में मतदाता सूची का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने इस उपलब्धि को 'टीम राजस्थान की सामूहिक विजय' बताते हुए कहा कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बीएलओ, सहायक कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अभूतपूर्व समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और तकनीकी नवाचारों के प्रभावी उपयोग ने इस असाधारण सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है।

मतदाता मैपिंग में भी देश में शीर्ष पर राजस्थान

श्री महाजन ने बताया कि राज्य ने मतदाता मैपिंग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है।

97% से अधिक मतदाता मैपिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। अर्थात् केवल 3% मतदाताओं को ही दावे-आपत्ति चरण में दस्तावेज प्रस्तुत करने हैं। औसतन प्रति बूथ लगभग 30 मतदाता ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी।

उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय मैपिंग से स्ध्क्र प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं पारदर्शी बनती है। इससे बूथवार मतदाता प्रबंधन सुदृढ़ होता है तथा मतदाताओं को बार-बार दस्तावेज प्रस्तुत करने से राहत मिलती है।

तकनीक आधारित पारदर्शिता का सशक्त मॉडल

चुनाव विभाग ने श्चष्ट्ठ्ह्श्चञ्ज प्लेटफॉर्म, श्च्ह्र ऐप, पोर्टल-आधारित सत्यापन प्रणाली और जिला हेल्पलाइन व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर कार्यप्रणाली को तेज एवं विश्वसनीय बनाया। सरल भाषा में दिशानिर्देश जारी कर सभी स्तरों पर कार्य की स्पष्टता सुनिश्चित की गई।

तकनीक और मानवीय परिश्रम के समन्वय ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया है।

माइक्रो मैनेजमेंट, टीम भावना और तकनीक–सफलता के तीन सूत्र

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन स्वयं इसे 'टीम राजस्थान' की जीत बताते हैं। गांव से लेकर शहर तक, बीएलओ से लेकर एईआरओ तक, और जिला निर्वाचन अधिकारियों से लेकर स्वयंसेवकों तक–हर स्तर पर एकजुटता और सतत निगरानी ने इस उपलब्धि को संभव बनाया।दिन-रात मेहनत कर रहे कार्मिकों, विशेषकर बीएलओ और ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारियों ने जिस निष्ठा के साथ कार्य किया, वह इस उपलब्धि का मूल कारण बना। श्री महाजन के शब्दों में, 'यह सफलता केवल आंकड़ों की नहीं बल्कि उस सामूहिक भावना की भी है जिसने राजस्थान को एक नया मानदंड स्थापित करने में सक्षम बनाया। '

मतदाताओं का जताया आभार

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने राज्य के सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में प्राप्त राजस्थान की यह ऐतिहासिक उपलब्धि तभी संभव हो सकी क्योंकि प्रदेश के नागरिकों ने पूर्ण सहयोग, जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया में समय पर सहभागिता, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और पुनरीक्षण कार्य में धैर्यपूर्वक साथ देने के लिए मतदाता विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। वृद्ध, दिव्यांग, मजदूर एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों द्वारा दिखाई गई सक्रियता लोकतंत्र के प्रति उनकी गहरी निष्ठा का प्रमाण है। श्री महाजन ने कहा कि मतदाताओं के विश्वास और सहयोग ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही सामूहिक शक्ति आगे भी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में प्रेरित करती रहेगी।

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक

श्री महाजन ने कहा– 'मतदाता सूची केवल नामों का दस्तावेज नहीं, यह नागरिक अधिकारों और चुनावी पारदर्शिता की नींव है। स्पष्ट लक्ष्य, मजबूत कार्यप्रणाली और समर्पित टीम–इन तीनों ने ही राजस्थान को यह ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई है। '

उन्होंने बताया कि राज्य द्वारा प्राप्त यह सफलता न केवल तकनीकी प्रगति का उदाहरण है, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के प्रति राजस्थान की गहरी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। यह उपलब्धि अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक मॉडल है।

अगले चरण–ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को

विशेष पुनरीक्षण की आगे की समय-सारणी इस प्रकार है–

ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन : 16 दिसंबर 2025 (मंगलवार)

दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने की अवधि : 16.12.2025 से 15.01.2026 (गुरुवार)

नोटिस चरण (सुनवाई एवं सत्यापन) एवं दावों-आपत्तियों पर निर्णय : 16.12.2025 से 07.02.2026 (शनिवार)

अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन : 14 फरवरी 2026 (शनिवार)

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने योग्य मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे ड्राफ्ट सूची में अपने विवरण की जांच कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने में सहयोग करें।

राजस्थान में 16.46 लाख वोटर्स का नाम कटने का खतरा

चुनाव आयोग से मिलेगा नोटिस

खबरों की दुनिया

जयपुर। राजस्थान में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत 97% से ज्यादा वोटर्स को कोई दस्तावेज नहीं देने होंगे क्योंकि इन वोटर्स की मैपिंग का काम पूरा हो चुका है। अब केवल 3 प्रतिशत वोटर्स को ही दस्तावेज देने होंगे। 11 दिसंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना फॉर्म बांटेंगे, इसलिए आगे यह संख्या और कम होने के आसार हैं। प्रदेश में अभी 5 करोड़ 48 लाख 84 हजार 570 वोटर्स हैं। इनमें से केवल 16 लाख 46 हजार वोटर्स को ही दस्तावेज जमा करवाने पड़ेंगे। इन वोटर्स को निर्वाचन विभाग नोटिस जारी करेगा। इसके बाद भी यदि ये दस्तावेज जमा नहीं करवाएंगे तो उनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए जाएंगे।

100% डिजिटलाइजेशन करने वाला पहला राज्य

नवीन महाजन ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत राजस्थान में वोटर लिस्ट का 100 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है। वोटर लिस्ट की मैपिंग में भी राजस्थान टॉप पर है।

नाम काटने से पहले होगी सुनवाई, फिर नोटिस

जिन्हें दस्तावेज देने होंगे और जिन्हें नोटिस मिलेंगे उनके भी नाम सीधे नहीं कटेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि सुनवाई का मौका दिए बिना किसी के नाम वोटर लिस्ट से नहीं काटा जाएगा। एसआईआर की वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट पब्लिकेशन होगा, उसमें घर नहीं मिलने वालों की लिस्ट होगी। ड्राफ्ट पब्लिकेशन में जिनके नाम नहीं होंगे, उन्हें सुनवाई का मौका दिया जाएगा। वे इसके बाद अपना पक्ष रख सकते हैं, पिछली एसआईआर में नाम है तो प्रमाण देकर नाम जुड़वा सकेंगे। पिछली एसआईआर में नाम नहीं है तो अपने माता-पिता का पिछली एसआईआर में नाम का प्रमाण और खुद का एक आईडेंटिटी प्रूफ देना होगा। ड्राफ्ट पब्लिकेशन में जिनके नाम नहीं होंगे, वे सुनवाई का मौका देने के बाद भी नहीं आएंगे उनके नाम कटेंगे।

हर बूथ पर लगभग 30 वोटर्स दस्तावेज देने होंगे

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा- प्रदेश में 97% से ज्यादा वोटर्स की मैपिंग पूरी होने से अब केवल 3% वोटर्स को ही दावे-आपत्ति वाले फेज में दस्तावेज देने हैं। औसतन हर बूथ पर लगभग 30 वोटर्स ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी। 16 दिसंबर को वोटर लिस्ट के ड्राफ्ट का प्रकाशन होगा। 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक दावे और आपत्तियां ली जाएंगी। 16 दिसंबर से नोटिस जारी कर सुनवाई और वेरिफिकेशन कर दावों और आपत्तियों का फैसला किया जाएगा।

दैनिक भास्कर

चित्तौड़गढ़ भास्कर 08-12-2025

भास्कर खास SIR में 100% डिजिटलाइजेशन के बाद मैपिंग भी 99.30%, यह प्रदेश के औसत से 2.55 % अधिक

थैंक्यू बीएलओ; हमारे 14 लाख में से 10 हजार से भी कम वोटर से मांगेंगे सबूत, यह पूरे प्रदेश में नंबर वन

भास्कर न्यूज | चित्तौड़गढ़

चुनाव आयोग ने एसआईआर की डेडलाइन 7 दिन आगे बढ़ा दी। इस कारण कई जिलों व राज्यों में अब भी फार्म डिजिटाइलेशन हो रहा है पर चित्तौड़गढ़ जिले ने यह काम पूर्व डेडलाइन 4 दिसंबर को पैक कर दिया। इसके साथ 99.30 % की मैपिंग भी हो गई। चुनाव आयोग की शनिवार तक की रिपोर्ट अनुसार राजस्थान में इससे कुछ अधिक 99.65 % के साथ सलूंबर पहले नंबर पर है पर छोटा व नया जिला होने से वहां कुल मतदाता करीब 3 लाख यानी चित्तौड़गढ़ जिले के एक चौथाई भी नहीं है। इस लिहाज से एसआईआर के सभी पैमाने पर चित्तौड़गढ़ की स्थिति राजस्थान में अव्वल है। यहां प्रदेश के औसत से 2.55 प्रतिशत अधिक मैपिंग हो चुकी है।

विसवार भी देखे तो मैपिंग के मामले में प्रदेश में जिले की बड़ीसादड़ी-99.66% दूसरे, कपासन- 99.65% तीसरे, चित्तौड़गढ़ 99.65% पांचवें व निम्बाहेड़ा 99.61% के साथ सातवें पर स्थान पर है। सिर्फ बेगूं विस ही 98% मैपिंग के साथ 91 वें नंबर पर है। एक माह पूर्व एसआईआर शुरू होने के समय जिले में कुल करीब 14.10 लाख वोटर थे। इनमें से कितने नाम कटेंगे या नए वोटर्स के जुड़ेंगे। यह सब 16 दिसंबर के ड्राफ्ट रोल से साफ होगा पर यह तय हो गया कि अगले चरण में हमारे यहां ज्यादा काम नहीं बचा। जिन वोटर्स का आखिरी एसआईआर 2002 से मिलान नहीं हो पाया, उनको अब बीएलओ के मार्फत या सीधे ईआरओ के समक्ष अपने मूल निवास या माता-पिता से जुड़ा दस्तावेज पेश करना होगा। जो उसकी भारतीय नागरिकता और मताधिकार का सबूत हो। जिले में ऐसे मतदाताओं की संख्या 10 हजार से भी कम रहेगी। सूत्रों के अनुसार एसआईआर के शुरुआती दौर में 9 नवंबर तक जिले के करीब 10.16 लाख यानी 72.19 प्रतिशत मतदाता मैप हो चुके थे। इसके बाद 27 दिन में यह आंकडा करीब 12.89 लाख मतदाता यानी 99.30 प्रतिशत हो गया। यह आंकडा मृत, दोहरी प्रविष्ठि या शिफ्टेड मतदाताओं के बाहर होने के बाद बचे वास्तविक मतदाताओं का माना जा रहा है।

फार्म वितरण से डिजिटलाइजेशन और मैपिंग तक जिले को अव्वल रखने में अहम किरदार 1501 बीएलओ और 152 सुपरवाइजर्स का है। शहरी व औद्योगिक एरिये से लेकर दुर्गम घाटों जैसी विषम भौगोलिक स्थिति व फैलाव वाले इस जिले में एक महीने में यह काम आसान नहीं था। तकनीकी साधनों, अधिकारियों की सतत निगरानी व रणनीति का प्रभावी उपयोग करते हुए इन लोगों ने देर रात तक मोबाइल की रोशनी में भी फार्म भरवाए। जिले की 64 महिला बीएलओ में से 61 चित्तौड़गढ़ विस में थीं, जहां अधिकांश शहरी क्षेत्र होने से भी अलग चुनौती थी। एक भी बीएलओ की शिकायत या ड्यूटी हटाने की गुहार नहीं आई।

–आलोक रंजन, जिला निर्वाचन अधिकारी

मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट को दी गई एसआईआर की जानकारी

भास्कर संवाददाता | जैतसर

निर्वाचन विभाग के आदेश पर शनिवार को कस्बे व आसपास के गांव के मतदान बूथ पर बीएलओ व बीएलए की संयुक्त बैठक हुई। इस दौरान एसआईआर अभियान को लेकर विभिन्न प्रकार की जानकारी बीएलओ द्वारा बीएलए को दी गई।

कस्बे के मतदान बूथ 72, 73, 74, 75 पर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत बीएलओ को अवितरित परिगणना

प्रपत्र की जानकारी संबंधित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए को प्रदान की गई। बीएलओ द्वारा प्रपत्रों की श्रेणी वार (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, दोहरी प्रविष्टि) सूची सभी बीएलए को प्रदान की गई तथा उनके हस्ताक्षर प्राप्त किए गए। इस दौरान बीएलए को सूचित किया गया कि यदि आवश्यक हो तो अप्राप्त गणना प्रपत्र वाले निर्वाचकों के संबंध में जानकारी 11 दिसंबर को दोपहर 12 बजे तक बीएलओ को जमा करा सकते हैं। उन्हें यह भी बताया गया कि जिन निर्वाचकों के नाम 16 दिसंबर को प्रकाशित प्रारूप सूची में शामिल नहीं होंगे, वे प्रपत्र 6 व अनुलग्नक 4 के साथ दावे व आपत्तियां 15 जनवरी 26 तक दे सकते हैं। बैठक में मृत, स्थानांतरण एवं अनुपस्थित मतदाताओं की सूची के संबंध में विशेष रूप से चर्चा की गई। बीएलओ चेतन प्रकाश, कांता, रोहिताश यादव व अशोक कुमार सहित बीएलए उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर डूंगरपुर भास्कर 08-12-2025

मंडे पॉजिटिव | आसपुर विधानसभा क्षेत्र के सुपरवाइजर संख्या 24 की टीम को जिले में प्रथम स्थान

SIR: सुपरवाइजर के पिता का निधन, एक बीएलओ हादसे में जख्मी लेकिन जुटे रहे, परिणाम... तय समय से पहले लक्ष्य पूरा

बहादुरमल जैन | साबला

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बीएलओ पर कार्य का अतिरिक्त दबाव और नकारात्मकता की चर्चा खूब हो रही है, लेकिन कुछ ऐसे भी कार्मिक हैं, जिन्होंने इस कार्य को पहली प्राथमिकता दी। इनके कदम अपनों की मौत से भी नहीं डिगे। हादसों में जख्मी हो गए, फिर भी हिम्मत नहीं छोड़ी। यह कहानी टीम वर्क की है। निर्वाचन प्रक्रिया में समर्पण, अनुशासन और टीम भावना का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हुए आसपुर विधानसभा क्षेत्र के सुपरवाइजर संख्या 24 की टीम ने डूंगरपुर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। राज्य स्तर पर सम्मान मिला। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गामड़ी के वरिष्ठ अध्यापक व सुपरवाइजर राजेंद्रसिंह चौहान के नेतृत्व में काम करने वाले सभी 10 बीएलओ ने शत-प्रतिशत

राजेन्द्रसिंह

ईश्वर साद

जगदीश शर्मा

एसआईआर कार्य निर्धारित समय से पूर्व पूरा कर जिले में सर्वोच्च रैंक प्राप्त की। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने जिला स्तरीय वीसी के माध्यम से चौहान को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इनकी टीम के साथी भाग संख्या 255 के बीएलओ ईश्वर साद दुर्घटना के बाद भी लगातार फील्ड में सक्रिय रहे और समय पर सत्यापन कार्य पूरा किया।

बोले- पूरे मनोयोग से काम किया, विचलित नहीं हुए

सुपरवाइजर राजेंद्रसिंह चौहान ने कहा शोक की स्थिति में साथियों ने जिस सहयोग और कार्यकुशलता क परिचय दिया, वह सराहनीय है। हर बीएलओ ने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया। इसके चलते हमारा सुपरविजन क्षेत्र जिले में प्रथम स्थान पर रहा। बीएलओ ईश्वर साद ने कहा कि एसआईआर काम के दौरान सड़क हादसे में जख्मी हो गया। दुर्घटना के बाद स्थिति चुनौतीपूर्ण थी। सुपरवाइजर हर रोज दो बार अपडेट लेते थे, जहां कमजोर होते वे आकर जुड़ जाते। पूरे मन से काम किया। बीएलओ जगदीश शर्मा बोले कि घर-घर सत्यापन, नियमित फील्ड गश्त और समयबद्ध रिपोर्टिंग ने सफलता सुनिश्चित की। सुपरवाइजर चौहान की सतत फील्ड विजिट ने हमें और अधिक जिम्मेदार बनाया। सुपरवाइजर के पिता का निधन होने के बाद भी ले ल गातार हमसे अपडेट ले रहे थे। ऐसे में हम भी लगातार डटे रहे।

दैनिक भास्कर
सीकर भास्कर 08-12-2025

एसआईआर : कार्य पूरा करने पर बीएलओ का सम्मान किया

भास्कर न्यूज़ | धोद

मतदाता सूची संशोधन अभियान के दौरान समय से पहले 100% काम पूरा करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट योगदान देने वाले बीएलओ के सम्मान में धोद उपखंड अधिकारी राहुल कुमार मल्होत्रा द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बद्री विहार सीकर में हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता धोद उपखंड अधिकारी राहुल कुमार मल्होत्रा ने की। इस मौके पर अतिथियों द्वारा बीएलओ को सम्मानित किया गया। एसडीएम ने बीएलओ की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि विशेष अभियान के दौरान बीएलओ ने घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन कर लोकतंत्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। इस दौरान अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। बीएलओ के लिए रात्रि भोज का आयोजन भी किया गया।

इस दौरान नायब तहसील राजेंद्र प्रसाद, नायब तहसीलदार पूजा जांगिड़, सीबीईओ जितेंद्र नाथावत, प्रिंसिपल कन्हैया लाल व प्रिंसिपल सुरेश पारीक सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में जिला स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने पर धोद के सबसे ज्यादा 24 बीएलओ को कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

दैनिक भास्कर

बारां 08-12-2025

अंता विधानसभा में एसआईआर आज से

पोस्टर व नृत्य से मतदाताओं को जागरूक किया

बारां| अंता विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार से होगी। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बामला में आयोजित स्वीप कार्यक्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर व सीईओ राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में युवाओं को मतदान का महत्व समझाया गया। सह प्रभारी अमित भार्गव ने बताया कि 8 दिसंबर से 6 जनवरी तक बीएलओ तीन बार घर-घर जाकर एसआईआर गणना प्रपत्र भरवाएंगे। मतदाताओं को 2002 की मतदाता सूची के आधार पर जानकारी तैयार रखने, रंगीन फोटो उपलब्ध कराने तथा ऑनलाइन व ऑफलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया समझाई गई। कार्यक्रम में पोस्टर मेकिंग और मतदाता जागरूकता गीत पर समूह नृत्य के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। कार्यक्रम में पीईईओ चंद्रमोहन मीणा, बैंक व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, बीएलओ, स्टाफ, ग्रामवासी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अंता विधानसभा में एसआइआर आज से

बारां @ पत्रिका. अंता विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार से हो गई। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बामला में आयोजित स्वीप कार्यक्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर व सीईओ राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में युवाओं को मतदान का महत्व समझाया गया। सह प्रभारी अमित भार्गव ने बताया कि 8 दिसंबर से 6 जनवरी तक बीएलओ तीन बार घर-घर जाकर एसआईआर गणना प्रपत्र भरवाएंगे। मतदाताओं को 2002 की मतदाता सूची के आधार पर जानकारी तैयार रखने, रंगीन फोटो उपलब्ध कराने तथा ऑनलाइन व ऑफलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया समझाई गई। कार्यक्रम में पोस्टर मेकिंग और मतदाता जागरूकता गीत पर समूह नृत्य के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। कार्यक्रम में पीईईओ चंद्रमोहन मीणा, बैंक व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, बीएलओ, स्टाफ, ग्रामवासी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एसआईआर कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक दलों की बैठक में चर्चा

कार्यालय संवाददाता | करौली

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले में संचालित मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन–एस आई आर) के तहत करौली विधानसभा क्षेत्र के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं उपखंड अधिकारी (एसडीएम) प्रेमराज मीना ने की। निर्वाचन शाखा के राजेन्द्र दीवान ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में एसडीएम प्रेमराज मीना ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को एस आई आर कार्यक्रम की संपूर्ण प्रक्रिया, विभिन्न चरणों एवं समयबद्ध कार्यक्रम के बारे में विस्तार से अवगत कराया तथा उपस्थित प्रतिनिधियों की शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में करौली विधानसभा क्षेत्र में पंजीकृत कुल 2 लाख 71 हजार 114 मतदाताओं के परिगणना प्रपत्रों को पूर्ण रूप से डिजिटाइज्ड कर लिया गया है। इन प्रपत्रों में अनुपस्थित, स्थानांतरित, दोहरी प्रविष्टि एवं मृत श्रेणी के मतदाताओं के विवरण भी सम्मिलित हैं। इन सभी की सूचियां पुनः सत्यापन के लिए बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को उपलब्ध करा दी गई हैं। वर्तमान में संशोधन का कार्य रोल बैक प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है। एसडीएम मीना ने स्पष्ट किया कि कोई भी मतदाता यदि अपनी जानकारी में संशोधन या परिवर्तन कराना चाहता है तो ड्राफ्ट रोल के प्रकाशन से पूर्व ऐसा कर सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि ड्राफ्ट रोल प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई पात्र मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित रह जाता है, तो उसे नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए जाएंगे और पात्र पाए जाने पर उसका नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा। किसी भी पात्र मतदाता का नाम बिना कारण हटाया नहीं जाएगा। यह कार्यक्रम अंतिम पुनरीक्षण के आधार पर मतदाता सूचियों के सत्यापन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। एसडीएम ने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र की भाग संख्या में बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) द्वारा बूथ लेवल अधिकारी के साथ मिलकर अनसलेक्टेड श्रेणी के मतदाताओं की जांच भी की जा सकती है। बैठक में भाजपा जिला महामंत्री सुरेश शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष अजय पाल एवं योगेश शर्मा, इंडियन नेशनल कांग्रेस के पीसीसी सदस्य पुष्पेन्द्र मीना, प्रदेश सचिव भूपेन्द्र भारद्वाज, शहर ब्लॉक अध्यक्ष रामगोपाल माली सहित नंदकिशोर व्यास, विजय सिंह, मनीष गुप्ता एवं अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मतदाताओं की एएसडी सूचियां तैयार, सत्यापन के लिए उपलब्ध

टोडाभीम| आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को एक माह पूर्ण हो चुका है। इस दौरान बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर किए गए सर्वे की आधारित जानकारी के अनुसार मृत, स्थानांतरित, अनुपस्थित तथा दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं की एएसडी सूचियां तैयार कर ली गई हैं।एसडीएम अमन चौधरी ने बताया कि तैयार सूचियों को बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ-साथ संबंधित बीएलओ को भी उपलब्ध करा दिया गया है। इसके अलावा, इन सूचियों को सार्वजनिक स्थानों पर भी चस्पा किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के मतदाता इनका आसानी से अवलोकन कर सकें।उन्होंने बताया कि यदि किसी मतदाता का नाम इन एएसडी सूचियों में दर्ज है और वह उसी पते पर वर्तमान में रह रहा है तो वह अपने पहचान दस्तावेज एवं आवश्यक जानकारी के साथ संबंधित बीएलओ से संपर्क कर अपना रिकॉर्ड अद्यतन करवा सकता है। यह प्रक्रिया 11 दिसंबर 2025 तक पूर्ण की जाएगी।एसडीएम ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति को अपने पड़ोस या आसपास ऐसे मतदाताओं की जानकारी हो, जिनके नाम गलती से इन सूचियों में दर्ज कर लिए गए हैं, तो उन्हें भी बीएलओ से संपर्क करने के लिए प्रेरित करें, ताकि मतदाता सूची शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाई जा सके।चौधरी ने बताया कि प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे और मतदाता सूची पूरी तरह सटीक रूप से तैयार की जा सके।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान: संशोधन प्रक्रिया से कराया अवगत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बैठक में उपस्थित उपजिला कलक्टर व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि।

करौली. भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जिले में चलाए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआइआर) के तहत शनिवार को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी व एसडीएम प्रेमराज मीना की उपस्थिति में करौली विधान सभा क्षेत्र के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। निर्वाचन शाखा के राजेन्द्र दीवान ने बताया कि बैठक मे एसडीएम प्रेमराज मीना ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को एसआइआर की सम्पूर्ण प्रक्रिया व कार्यक्रम से अवगत कराया। साथ ही उनकी शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में विधानसभा क्षेत्र में पंजीकृत कुल 2 लाख 71 हजार 114 मतदाताओं के परिगणना प्रपत्रों को डिजिटाइज्ड कर लिया गया है। इनमें अनुपस्थित, स्थानांतरित, दोहरी प्रविष्टि व मृत श्रेणी के मतदाताओं के प्रपत्र भी शामिल हैं। इनकी सूचियां एक बार पुनः सत्यापन के लिए बूथ लेबल अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें संशोधन का कार्य रोलबैक करके किया जा रहा है, कोई भी मतदाता यदि अपनी स्थिति में परिवर्तन करना चाहता है तो ड्राफ्ट रोल प्रकाशित होने से पूर्व करा सकता है। ड्राफ्ट रोल प्रकाशित होने के बाद भी वंचित मतदाताओं को नोटिस भेज कर आवश्यक प्रमाण के दस्तावेज उपलब्ध कराने पर नाम मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा। किसी भी पात्र मतदाता का नाम हटाया नहीं जाएगा। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विगत अन्तिम पुनरीक्षण के आधार पर मतदाता सूचियों का सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र की भाग संख्या में बीएलए द्वारा बूथ लेबल अधिकारी के साथ मिलकर अनकलेक्टेड श्रेणी के मतदाताओं की जांच की जा सकती है। बैठक में भाजपा के जिला महामंत्री सुरेश शुक्ला, मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अजय पाल, योगेश शर्मा, कांग्रेस के पीसीसी सदस्य पुष्पेन्द्र मीना, सचिव भूपेन्द्र भारद्वाज व शहर ब्लॉक अध्यक्ष रामगोपाल माली सहित नंदकिशोर व्यास, विजय सिंह, मनीष गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

मतदाताओं की एएसडी सूचियां तैयार, 11 तक बीएलओ कर सकेंगे सत्यापन

टोडाभीम. निर्वाचन कार्यों में पारदर्शिता और मतदाता सूची को शुद्ध बनाने के उद्देश्य से एएसडी मतदाताओं की सूचियां तैयार कर ली गई हैं। एसडीओ अमन चौधरी ने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य एक माह में पूर्ण हो गया है। इस दौरान बीएलओ ने घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया और प्राप्त जानकारी के आधार पर मृत, स्थानांतरित, दोहरी प्रविष्टि और लंबे समय से अनुपस्थित मतदाताओं की सूची तैयार की है। तैयार हुई एएसडी सूची राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों को उपलब्ध कराई गई है। साथ ही यह सूचियां संबंधित बीएलओ के पास भी रखी गई हैं और इन्हें सार्वजनिक स्थानों पर भी चस्पा किया जाएगा, ताकि आमजन आसानी से जानकारी प्राप्त कर सके। एसडीओ चौधरी ने बताया कि मतदाता इन सूचियों का निरीक्षण कर अपना नाम जांच सकते हैं। यदि किसी मतदाता का नाम एएसडी सूची में अंकित है, जबकि वह वर्तमान में वहीं पर निवास करता है, तो वह अपनी 2002 की डिटेल के साथ 11 दिसंबर तक संबंधित बीएलओ से संपर्क कर सुधार करवा सकता है।

उन्होंने अपील की कि यदि आसपास कोई व्यक्ति मौजूद है और उसका नाम एएसडी सूची में पाया जाता है, तो उसे भी बीएलओ से संपर्क करने के लिए जागरूक करें। उचित समय पर सत्यापन होने से मतदाता सूची अधिक सटीक बनेगी और आगामी चुनावों में किसी भी प्रकार की परेशानी से बचा जा सकेगा।

दैनिक नवज्योति
Bhilwara - 08 Dec 2025 - Page 11

एसआईआर ने किया स्मृतियों को ताजा

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में तमाम तरह की नकारात्मक बातों के बीच एक सकारात्मक पक्ष भी देखने को सामने आया। इसमें वर्ष 2002 के गहन पुनरीक्षण यानी उस वर्ष की मतदाता सूची में माता-पिता, दादा-दादी के नाम की जानकारी देनी पड़ी। जो लोग तीन दशक से एक ही स्थान पर रह रहे है, उनके लिये तो यह बहुत मुश्किल नहीं था किन्तु जिन्होंने गांव, शहर और प्रदेश बदला है वह यह जानकारी प्राप्त करने के लिये माता-पिता और दादा-दादी से इसकी जानकारी लेते नजर आये। इस बहाने सभी लोग 23 साल पुरानी यादों में लौट आये। जिनके पास माता-पिता या दादा-दादी में से कोई भी नहीं है वह परिवार के अन्य लोगों से जानकारी जुटाते नजर आये। दिमाग पर जोर डालने से एक से बढ़कर एक सुखद स्मृतियां पिटारे से निकली।

भीलवाड़ा भास्कर 08-12-2025

चूकने वालों को मौका • शहर में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक 26 जगह पर लगेंगे शिविर

मतदाता 11 तक भर सकते हैं SIR फॉर्म

भास्कर न्यूज़ | भीलवाड़ा

जिले का गणना प्रपत्र भरने का कार्य पूर्ण हो चुका है, लेकिन अभी भी जिन वोटर्स ने प्रपत्र को नहीं भरा है, वह 11 दिसंबर तक अपना प्रपत्र भर सकते हैं।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) अक्षत सिंह ने बताया कि शहर में 26 स्थानों पर मतदाता 11 दिसंबर तक सुबह 10 से शाम 5 बजे तक शिविर स्थलों आकर गणना प्रपत्र भर सकते हैं। नगर निगम, राउमावि पुर, सामुदायिक भवन किशनावतों की खेड़ी, राबाउमावि कल्कीपुरा, आईटीआई पांसल चौराहा, मगारावि लेबर कॉलोनी, अग्रसेन मांगलिक भवन आजाद नगर, सामुदायिक भवन सीएसए नगर,

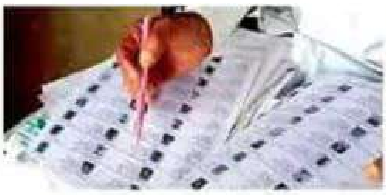

राउप्रावि नाथद्वारा सराय, आदर्श उमावि, महावीर उमावि शास्त्रीनगर, राउमावि राजेन्द्र मार्ग, सिटी कोतवाली के सामने, मगारावि वार्ड नम्बर आठ, राउमावि कल्कीपुरा, राउप्रावि भीमगंज, मगारावि मोहम्मदी कॉलोनी, मगारावि धानमंडी, राप्रावि भीमगंज थाने के पास, मालियों का पंचायती नौहरा, मगारावि भीमगंज, राजस्थान आवासन मंडल, राप्रावि धान्धोलाई, राउमावि सुभाषनगर, राउमावि गांधीनगर व सामुदायिक भवन संतोष कॉलोनी में प्रपत्र भरकर जमा करवा सकते हैं।

जिले में 1,73,281 वोटर्स मिसिंग, इनमें शहर के 66,283 और दो जगह नाम वाले 9986

भीलवाड़ा में एसआईआर कार्य पूरा हो चुका है। अब सबसे बड़ी समस्या 19,21,127 वोटर्स में से 173281 वोटर्स का मिसिंग होना है। सात विधानसभा में सिर्फ भीलवाड़ा में 66283 वोटर्स मिसिंग है। इसमें से 35529 की मृत्यु हो चुकी है, वहीं 9986 वोटर्स का नाम दूसरी जगह जुड़ा हुआ है। 88104 वोटर्स शिफ्टिंग और 38839 वोटर्स अनुपस्थित है। यदि मृत्यु और अन्य जगह वोटर्स का नाम जुड़े होने का हटा दिया जाए तो भी शिफ्टिंग और अनुपस्थित वोटर्स कुल आंकड़ा 1,26,943 है। वहीं इसमें से भीलवाड़ा में शिफ्टिंग 25815 और अनुपस्थित वोटर्स 28397 कुल आंकड़ा 54212 का है। उल्लेखनीय है कि स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन का कार्य 11 दिसंबर तक चलेगा। ड्राफ्ट लिस्ट 16 दिसंबर को जारी होगी। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 अंतर्गत अब तक 1422225 गणना प्रपत्र हुए डिजीटाइज

मरुधर आईना

जालोर (उजीर सिलावट)। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप के. गावंडे के निर्देशन में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के गणना चरण के दौरान गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया जा रहा है।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि जिले में एसआईआर-2026 के गणना चरण के दौरान गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज भी किया जा रहा है। अब तक जालोर जिले में कुल 1422225 गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया गया हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 अंतर्गत अब तक 1422225 गणना प्रपत्र हुए डिजीटाइज

भौंपू की आवाज

जालोर । जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप के. गावंडे के निर्देशन में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के गणना चरण के दौरान गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि जिले में एसआईआर-2026 के गणना चरण के दौरान गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज भी किया जा रहा है। अब तक जालोर जिले में कुल 1422225 गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया गया हैं।

जालोर/सांचौर भास्कर 08-12-2025

14 लाख 22 हजार 225 गणना प्रपत्र डिजिटाइज

जालोर | मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के गणना चरण के दौरान गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में एआईआर के दौरान अब तक जालोर जिले में कुल 14,22,225 गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया गया है।

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि

100% डिजिटाइजेशन कर देश का पहला राज्य बना राजस्थान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (स्ङ्क्र2026) कार्यक्रम के तहत राज्य में मतदाता सूची का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने इस उपलब्धि को 'टीम राजस्थान की सामूहिक विजय' बताते हुए कहा कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बीएलओ, सहायक कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अभूतपूर्व समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और तकनीकी नवाचारों के प्रभावी उपयोग ने इस असाधारण सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है।

मतदाता मैपिंग में भी देश में शीर्ष पर राजस्थान

श्री महाजन ने बताया कि राज्य ने मतदाता मैपिंग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है।

97% से अधिक मतदाता मैपिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। अर्थात् केवल 3% मतदाताओं को ही दावे-आपत्ति चरण में दस्तावेज प्रस्तुत करने हैं। औसतन प्रति बूथ लगभग 30 मतदाता ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी।

उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय मैपिंग से स्ङ्क्र प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं पारदर्शी बनती है। इससे बूथवार मतदाता प्रबंधन सुदृढ़ होता है तथा मतदाताओं को बार-बार दस्तावेज प्रस्तुत करने से राहत मिलती है।

तकनीक आधारित पारदर्शिता का सशक्त मॉडल

चुनाव विभाग ने श्वष्ट्ठद्दश्चञ्ज प्लेटफॉर्म, ड्डह्ल ऐप, पोर्टल-आधारित सत्यापन प्रणाली और जिला हेल्पलाइन व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर कार्यप्रणाली को तेज एवं विश्वसनीय बनाया। सरल भाषा में दिशानिर्देश जारी कर सभी स्तरों पर कार्य की स्पष्टता सुनिश्चित की गई।

तकनीक और मानवीय परिश्रम के समन्वय ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया है।

माइक्रो मैनेजमेंट, टीम भावना और तकनीक–सफलता के तीन सूत्र

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन स्वयं इसे 'टीम राजस्थान' की जीत बताते हैं। गांव से लेकर शहर तक, बीएलओ से लेकर एईआरओ तक, और जिला निर्वाचन अधिकारियों से लेकर स्वयंसेवकों तक–हर स्तर पर एकजुटता और सतत निगरानी ने इस उपलब्धि को संभव बनाया।दिन-रात मेहनत कर रहे कार्मिकों, विशेषकर बीएलओ और ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारियों ने जिस निष्ठा के साथ कार्य किया, वह इस उपलब्धि का मूल कारण बना। श्री महाजन के शब्दों में, 'यह सफलता केवल आंकड़ों की नहीं बल्कि उस सामूहिक भावना की भी है जिसने राजस्थान को एक नया मानदंड स्थापित करने में सक्षम बनाया।'

मतदाताओं का जताया आभार

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने राज्य के सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में प्राप्त राजस्थान की यह ऐतिहासिक उपलब्धि तभी संभव हो सकी क्योंकि प्रदेश के नागरिकों ने पूर्ण सहयोग, जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया में समय पर सहभागिता, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और पुनरीक्षण कार्य में धैर्यपूर्वक साथ देने के लिए मतदाता विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। वृद्ध, दिव्यांग, मजदूर एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों द्वारा दिखाई गई सक्रियता लोकतंत्र के प्रति उनकी गहरी निष्ठा का प्रमाण है। श्री महाजन ने कहा कि मतदाताओं के विश्वास और सहयोग ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही सामूहिक शक्ति आगे भी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में प्रेरित करती रहेगी।

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक

श्री महाजन ने कहा– 'मतदाता सूची केवल नामों का दस्तावेज नहीं, यह नागरिक अधिकारों और चुनावी पारदर्शिता की नींव है। स्पष्ट लक्ष्य, मजबूत कार्यप्रणाली और समर्पित टीम–इन तीनों ने ही राजस्थान को यह ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई है।'

उन्होंने बताया कि राज्य द्वारा प्राप्त यह सफलता न केवल तकनीकी प्रगति का उदाहरण है, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के प्रति राजस्थान की गहरी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। यह उपलब्धि अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक मॉडल है।

अगले चरण–ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को

विशेष पुनरीक्षण की आगे की समय-सारणी इस प्रकार है–

ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन : 16 दिसंबर 2025 (मंगलवार)

दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने की अवधि : 16.12.2025 से 15.01.2026 (गुरुवार)

नोटिस चरण (सुनवाई एवं सत्यापन) एवं दावों-आपत्तियों पर निर्णय : 16.12.2025 से 07.02.2026 (शनिवार)

अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन : 14 फरवरी 2026 (शनिवार)

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने योग्य मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे ड्राफ्ट सूची में अपने विवरण की जांच कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने में सहयोग करें।

सौ फीसदी डिजिटाइजेशन कर देश का पहला राज्य बना राजस्थान

धौलपुर. लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत राज्य में मतदाता सूची का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इस उपलब्धि को 'टीम राजस्थान की सामूहिक विजय' बताते हुए कहा कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बीएलओए सहायक कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अभूतपूर्व समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और तकनीकी नवाचारों के प्रभावी उपयोग ने इस असाधारण सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है।राज्य ने मतदाता मैपिंग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। 97 प्रतिशत से अधिक मतदाता मैपिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। अर्थात केवल 3 प्रतिशत मतदाताओं को ही दावे-आपत्ति चरण में दस्तावेज प्रस्तुत करने हैं। औसतन प्रति बूथ लगभग 30 मतदाता ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि

धौलपुर (निज संवाददाता)। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक आधुनिक पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (स्ढ्ढक्र2026) कार्यक्रम के तहत राज्य में मतदाता सूची का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इस उपलब्धि को टीम राजस्थान की सामूहिक विजय बताते हुए कहा कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बीएलओ सहायक कार्मिकों पर्यवेक्षकों एईआरओ ईआरओ उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अभूतपूर्व समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म कार्ययोजना सतत मॉनिटरिंग और तकनीकी नवाचारों के प्रभावी उपयोग ने इस असाधारण सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है। मतदाता मैपिंग में भी देश में शीर्ष पर राजस्थान

100% डिजिटाइजेशन कर देश का पहला राज्य बना राजस्थान केवल 3% मतदाताओं के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 16 दिसंबर को

श्री महाजन ने बताया कि राज्य ने मतदाता मैपिंग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है।

97% से अधिक मतदाता मैपिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। अर्थात् केवल 3% मतदाताओं को ही दावे-आपत्ति चरण में दस्तावेज प्रस्तुत करने हैं। औसतन प्रति बूथ लगभग 30 मतदाता ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी। उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय मैपिंग से स्ढ्ढक्रप्रक्रिया अत्यंत सरल एवं पारदर्शी बनती है। इससे बूथवार मतदाता प्रबंधन सुदृढ़ होता है तथा मतदाताओं को बार-बार दस्तावेज प्रस्तुत करने से राहत मिलती है।

तकनीक आधारित पारदर्शिता का सशक्त मॉडल चुनाव विभाग ने श्वष्टढ्ढहृश्वञ्ज प्लेटफॉर्म क्च्रु ऐप पोर्टल-आधारित सत्यापन प्रणाली और जिला हेल्पलाइन व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर कार्यप्रणाली को तेज एवं विश्वसनीय बनाया। सरल भाषा में दिशानिर्देश जारी कर सभी स्तरों पर कार्य की स्पष्टता सुनिश्चित की गई तकनीक और मानवीय परिश्रम के समन्वय ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया है। माइक्रो मैनेजमेंट टीम भावना और तकनीक सफलता के तीन सूत्र

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन स्वयं इसे टीम राजस्थान की जीत बताते हैं। गांव से लेकर शहर तक बीएलओ से लेकर एईआरओ तक और जिला निर्वाचन अधिकारियों से लेकर स्वयंसेवकों तक हर स्तर पर एकजुटता और सतत निगरानी ने इस उपलब्धि को संभव बनाया।

दिन-रात मेहनत कर रहे कार्मिकों, विशेषकर बीएलओ और ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारियों ने जिस निष्ठा के साथ कार्य किया वह इस उपलब्धि का मूल कारण बना। श्री महाजन के शब्दों में 'यह सफलता केवल आंकड़ों की नहीं बल्कि उस सामूहिक भावना की भी है जिसने राजस्थान को एक नया मानदंड स्थापित करने में सक्षम बनाया मतदाताओं का जताया आभार मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने राज्य के सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में प्राप्त राजस्थान की यह ऐतिहासिक उपलब्धि तभी संभव हो सकी क्योंकि प्रदेश के नागरिकों ने पूर्ण सहयोग जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया में समय पर सहभागिता आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और पुनरीक्षण कार्य में धैर्यपूर्वक साथ देने के लिए मतदाता विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। वृद्ध दिव्यांग मजदूर एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों द्वारा दिखाई गई सक्रियता लोकतंत्र के प्रति उनकी गहरी निष्ठा का प्रमाण है। श्री महाजन ने कहा कि मतदाताओं के विश्वास और सहयोग ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही सामूहिक शक्ति आगे भी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में प्रेरित करती रहेगी

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक श्री महाजन ने कहा मतदाता सूची केवल नामों का दस्तावेज नहीं यह नागरिक अधिकारों और चुनावी पारदर्शिता की नींव है। स्पष्ट लक्ष्य मजबूत कार्यप्रणाली और समर्पित टीम–इन तीनों ने ही राजस्थान को यह ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई है। उन्होंने बताया कि राज्य द्वारा प्राप्त यह सफलता न केवल तकनीकी प्रगति का उदाहरण है, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के प्रति राजस्थान की गहरी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। यह उपलब्धि अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक मॉडल है। अगले चरण ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को विशेष पुनरीक्षण की आगे की समय-सारणी इस प्रकार है ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन : 16 दिसंबर 2025 (मंगलवार) दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने की अवधि : 16.12.2025 से 15.01.2026 (गुरुवार) नोटिस चरण (सुनवाई एवं सत्यापन) एवं दावों आपत्तियों पर निर्णय : 16.12.2025 से 07.02.2026 (शनिवार)

अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन : 14 फरवरी 2026 (शनिवार) मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने योग्य मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे ड्राफ्ट सूची में अपने विवरण की जांच कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने में सहयोग करें।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि :100% डिजिटाइजेशन कर देश का पहला राज्य बना राजस्थान

केवल 3' मतदाताओं के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता

ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 16 दिसंबर को

दैनिक तेवर टाइम्स

धौलपुर। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सक्षम बनाने की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर-2026) कार्यक्रम के तहत राज्य में मतदाता सूची का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने इस उपलब्धि को 'टीम राजस्थान' की सामूहिक विजय बताते हुए कहा कि जमीनी स्तर से लेकर राज्य स्तर तक बीएलओ, सहायक कार्मिकों, स्वयंसेवकों, ईआरओ, एईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अभूतपूर्व समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और तकनीकी नवाचारों के प्रभावी उपयोग ने इस असाधारण सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है। मतदाता मैपिंग में भी देश में शीर्ष पर राजस्थान श्री महाजन ने बताया कि राज्य ने मतदाता मैपिंग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। 97' से अधिक मतदाता मैपिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। अर्थात् केवल 3' मतदाताओं को ही दावे-आपत्ति चरण में दस्तावेज प्रस्तुत करने हैं। औसतन प्रति बूथ लगभग 30 मतदाता ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी। उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय मैपिंग से SIR प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं पारदर्शी बनती है। इससे भविष्य में मतदाता प्रबंधन सुदृढ़ होता है तथा मतदाताओं को बार-बार दस्तावेज प्रस्तुत करने से राहत मिलती है। तकनीक आधारित पारदर्शिता का सशक्त मॉडल चुनाव विभाग ने ECINET प्लेटफॉर्म, BLO ऐप, फोटो-आधारित सत्यापन प्रणाली और जिला हेल्पलाइन व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर कार्यप्रणाली को तेज एवं विश्वसनीय बनाया। सरल भाषा में दिशानिर्देश जारी कर सभी स्तरों पर कार्य की स्पष्टता सुनिश्चित की गई। तकनीक और मानवीय प्रयास के समन्वय ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया है। माइक्रो मैनेजमेंट, टीम भावना और तकनीक-सहायता के तीन सूत्र मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन स्वयं इसे 'टीम राजस्थान' की जीत बताते हैं। बूथ से लेकर राज्य तक, बीएलओ से लेकर ईआरओ तक, और जिला निर्वाचन अधिकारियों से लेकर स्वयंसेवकों तक—हर स्तर पर एकजुटता और सतत निगरानी ने इस उपलब्धि को संभव बनाया। दिन-रात मेहनत कर रहे कार्मिकों, विशेषकर बीएलओ और ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारियों ने टीम स्पिरिट के साथ कार्य किया, यह इस उपलब्धि का मूल कारण बना। श्री महाजन के शब्दों में, 'यह सफलता केवल आंकड़ों की नहीं बल्कि उस सामूहिक भावना की भी है जिसने राजस्थान को एक नया मानदंड स्थापित करने में सक्षम बनाया।' मतदाताओं का जताया आभार मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने राज्य के सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में प्राप्त राजस्थान की यह ऐतिहासिक उपलब्धि तभी संभव हो सकी क्योंकि प्रदेश के नागरिकों ने पूर्ण सहयोग, जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया में समय पर सहभागिता, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और पुनरीक्षण कार्य में धैर्यपूर्वक साथ देने के लिए मतदाता विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। वृद्ध, दिव्यांग, महिला एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों द्वारा दिखाई गई सक्रियता लोकतंत्र के प्रति उनकी गहरी निष्ठा का प्रमाण है। श्री महाजन ने कहा कि मतदाताओं के विश्वास और सहयोग ने राजस्थान को राष्ट्रीय मंच पर अग्रणी स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही सामूहिक शक्ति आगे भी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में प्रेरित करती रहेगी। लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक श्री महाजन ने कहा– 'मतदाता सूची केवल नामों का दस्तावेज नहीं, यह नागरिक अधिकारों और चुनावी पारदर्शिता की नींव है। स्पष्ट लक्ष्य, मजबूत कार्यप्रणाली और समर्पित टीम–इन तीनों ने ही राजस्थान को यह ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई है।' उन्होंने बताया कि राज्य द्वारा प्राप्त यह सफलता न केवल तकनीकी प्रगति का उदाहरण है, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के प्रति राजस्थान की गहरी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। यह उपलब्धि अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक मॉडल है। उन्होंने बताया– ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को विशेष पुनरीक्षण की आगे की समय-सारणी इस प्रकार है– ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन : 16 दिसंबर 2025 (मंगलवार) दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने की अवधि : 16.12.2025 से 15.01.2026 (गुरुवार) नोटिस चरण (सुनवाई एवं सत्यापन) एवं दावों-आपत्तियों पर निर्णय : 16.12.2025 से 07.02.2026 (शनिवार) अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन : 14 फरवरी 2026 (शनिवार) मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने योग्य मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे ड्राफ्ट सूची में अपने विवरण की जांच कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने में सहयोग करें।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि

- 100% डिजिटाइजेशन कर देश का पहला राज्य बना राजस्थान

- केवल 3% मतदाताओं के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता

- ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 16 दिसंबर को

खबरों की दुनिया

धौलपुर। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (SIR-2026) कार्यक्रम के तहत राज्य में मतदाता सूची का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इस उपलब्धि को 'टीम राजस्थान की सामूहिक विजय' बताते हुए कहा कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बीएलओ, सहायक कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अभूतपूर्व समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और तकनीकी नवाचारों के प्रभावी उपयोग ने इस असाधारण सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है।

मतदाता मैपिंग में भी देश में शीर्ष पर राजस्थान

महाजन ने बताया कि राज्य ने मतदाता मैपिंग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। 97% से अधिक मतदाता मैपिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। अर्थात् केवल 3% मतदाताओं को ही दावे-आपत्ति चरण में दस्तावेज प्रस्तुत करने हैं। औसतन प्रति बूथ लगभग 30 मतदाता ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी।

उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय मैपिंग से SIR प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं पारदर्शी बनती है। इससे बूथवार मतदाता प्रबंधन सुदृढ़ होता है तथा मतदाताओं को बार-बार दस्तावेज प्रस्तुत करने से राहत मिलती है।

तकनीक आधारित पारदर्शिता का सशक्त मॉडल

चुनाव विभाग ने ECINET प्लेटफॉर्म, BLO ऐप, पोर्टल-आधारित सत्यापन प्रणाली और जिला हेल्पलाइन व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर कार्यप्रणाली को तेज एवं विश्वसनीय बनाया। सरल भाषा में दिशानिर्देश जारी कर सभी स्तरों पर कार्य की स्पष्टता सुनिश्चित की गई।

तकनीक और मानवीय परिश्रम के समन्वय ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया है।

माइक्रो मैनेजमेंट, टीम भावना और तकनीक-सफलता के तीन सूत्र

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन स्वयं इसे 'टीम राजस्थान' की जीत बताते हैं। गांव से लेकर शहर तक, बीएलओ से लेकर ईआरओ तक और जिला निर्वाचन अधिकारियों से लेकर स्वयंसेवकों तक-हर स्तर पर एकजुटता और सतत निगरानी ने इस उपलब्धि को संभव बनाया।

दिन-रात मेहनत कर रहे कार्मिकों, विशेषकर बीएलओ और ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारियों ने जिस निष्ठा के साथ कार्य किया, वह इस उपलब्धि का मूल कारण बना। महाजन के शब्दों में, 'यह सफलता केवल आंकड़ों की नहीं बल्कि उस सामूहिक भावना की भी है जिसने राजस्थान को एक नया मानदंड स्थापित करने में सक्षम बनाया।'

मतदाताओं का जताया आभार

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने राज्य के सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में प्राप्त राजस्थान की यह ऐतिहासिक उपलब्धि तभी संभव हो सकी क्योंकि प्रदेश के नागरिकों ने पूर्ण सहयोग, जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया में समय पर सहभागिता, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और पुनरीक्षण कार्य में धैर्यपूर्वक साथ देने के लिए मतदाता विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। वृद्ध, दिव्यांग, मजदूर एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों द्वारा दिखाई गई सक्रियता लोकतंत्र के प्रति उनकी गहरी निष्ठा का प्रमाण है। श्री महाजन ने कहा कि मतदाताओं के विश्वास और सहयोग ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही सामूहिक शक्ति आगे भी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में प्रेरित करती रहेगी।

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक

महाजन ने कहा 'मतदाता सूची केवल नामों का दस्तावेज नहीं, यह नागरिक अधिकारों और चुनावी पारदर्शिता की नींव है। स्पष्ट लक्ष्य, मजबूत कार्यप्रणाली और समर्पित टीम-इन तीनों ने ही राजस्थान को यह ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई है।'

उन्होंने बताया कि राज्य द्वारा प्राप्त यह सफलता न केवल तकनीकी प्रगति का उदाहरण है, बल्कि लोकतंत्र को मजबूती के प्रति राजस्थान की गहरी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। यह उपलब्धि अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक मॉडल है।

अगले चरण-ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को

विशेष पुनरीक्षण की आगे की समय-सारणी इस प्रकार है- ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन : 16 दिसंबर 2025 (मंगलवार) दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने की अवधि: 16.12.2025 से 15.01.2026 (गुरुवार) नोटिस चरण (सुनवाई एवं सत्यापन) एवं दावों-आपत्तियों पर निर्णय: 16.12.2025 से 07.02.2026 (शनिवार) अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन: 14 फरवरी 2026 (शनिवार) मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने योग्य मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे ड्राफ्ट सूची में अपने विवरण की जांच कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने में सहयोग करें।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि

100% डिजिटाइजेशन कर देश का पहला राज्य बना राजस्थान केवल 3% मतदाताओं के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता, ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 16 दिसंबर को

आदित्य एक्सप्रेस न्यूज

धौलपुर। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर 2026) कार्यक्रम के तहत राज्य में मतदाता सूची का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इस उपलब्धि को 'टीम राजस्थान की सामूहिक विजय' बताते हुए कहा कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बीएलओ, सहायक कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अभूतपूर्व समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और तकनीकी नवाचारों के प्रभावी उपयोग ने इस असाधारण सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है।

मतदाता मैपिंग में भी देश में शीर्ष पर राजस्थान

श्री महाजन ने बताया कि राज्य ने मतदाता मैपिंग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है।

97% से अधिक मतदाता मैपिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। अर्थात् केवल 3% मतदाताओं को ही दावे-आपत्ति चरण में दस्तावेज प्रस्तुत करने हैं। औसतन प्रति बूथ लगभग 30 मतदाता ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी।

उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय मैपिंग से एसआईआर प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं पारदर्शी बनती है। इससे बूथवार मतदाता प्रबंधन सुदृढ़ होता है तथा मतदाताओं को बार-बार दस्तावेज प्रस्तुत करने से राहत मिलती है।

तकनीक आधारित पारदर्शिता का सशक्त मॉडल

चुनाव विभाग ने बहुद्देश्यीय प्लेटफॉर्म, एक ऐप, पोर्टल-आधारित सत्यापन प्रणाली और जिला हेल्पलाइन व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर कार्यप्रणाली को तेज एवं विश्वसनीय बनाया। सरल भाषा में दिशानिर्देश जारी कर सभी स्तरों पर कार्य की स्पष्टता सुनिश्चित की गई।

तकनीक और मानवीय परिश्रम के समन्वय ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया है।

माइक्रो मैनेजमेंट, टीम भावना और तकनीक-सफलता के तीन सूत्र

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन स्वयं इसे 'टीम राजस्थान' की जीत बताते हैं। गांव से लेकर शहर तक, बीएलओ से लेकर एईआरओ तक, और जिला निर्वाचन अधिकारियों से लेकर स्वयंसेवकों तक-हर स्तर पर एकजुटता और सतत निगरानी ने इस उपलब्धि को संभव बनाया।

दिन-रात मेहनत कर रहे कार्मिकों, विशेषकर बीएलओ और ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारियों ने जिस निष्ठा के साथ कार्य किया, वह इस उपलब्धि का मूल कारण बना। श्री महाजन के शब्दों में, 'यह सफलता केवल आंकड़ों की नहीं बल्कि उस सामूहिक भावना की भी है जिसने राजस्थान को एक नया मानदंड स्थापित करने में सक्षम बनाया।'

मतदाताओं का जताया आभार

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने राज्य के सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में प्राप्त राजस्थान की यह ऐतिहासिक उपलब्धि तभी संभव हो सकी क्योंकि प्रदेश के नागरिकों ने पूर्ण सहयोग, जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया में समय पर सहभागिता, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और पुनरीक्षण कार्य में धैर्यपूर्वक साथ देने के लिए मतदाता विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। वृद्ध, दिव्यांग, मजदूर एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों द्वारा दिखाई गई सक्रियता लोकतंत्र के प्रति उनकी गहरी निष्ठा का प्रमाण है। श्री महाजन ने कहा कि मतदाताओं के विश्वास और सहयोग ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही सामूहिक शक्ति आगे भी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में प्रेरित करती रहेगी।

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक

श्री महाजन ने कहा- 'मतदाता सूची केवल नामों का दस्तावेज नहीं, यह नागरिक अधिकारों और चुनावी पारदर्शिता की नींव है। स्पष्ट लक्ष्य, मजबूत कार्यप्रणाली और समर्पित टीम-इन तीनों ने ही राजस्थान को यह ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई है।'

उन्होंने बताया कि राज्य द्वारा प्राप्त यह सफलता न केवल तकनीकी प्रगति का उदाहरण है, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के प्रति राजस्थान की गहरी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। यह उपलब्धि अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक मॉडल है

अगले चरण-ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को

विशेष पुनरीक्षण की आगे की समय-सारणी इस प्रकार है-

ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन : 16 दिसंबर 2025 (मंगलवार)

दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने की अवधि : 16.12.2025 से 15.01.2026 (गुरुवार)

नोटिस चरण (सुनवाई एवं सत्यापन) एवं दावों-आपत्तियों पर निर्णय : 16.12.2025 से 07.02.2026 (शनिवार)

अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन : 14 फरवरी 2026 (शनिवार) मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने योग्य मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे ड्राफ्ट सूची में अपने विवरण की जांच कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाने में सहयोग करें।

से हटा लें।

की जान चली गई। डीएसपी ने

करें कि सड़क से कितनी दूरी तक जगह छोड़ी जाएं।

एसआईआर के तहत विद्यार्थियों को दी नवीनतम मॉड्यूल्स की जानकारी

भास्कर न्यूज | जैसलमेर

स्वामी विवेकानंद मॉडल विद्यालय एवं सेंट पॉल विद्यालय में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 पर आधारित उन्नत मतदाता जागरूकता एवं डिजिटल सक्षमता कार्यक्रम आयोजित किए गए। सेंटपॉल विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य फादर मैथ्यू की अध्यक्षता व उप प्रधानाचार्य सिस्टर टेस्लिन के सानिध्य में किया गया। वहीं स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य उम्मेदसिंह राठौड़ ने की। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को निर्वाचन सूची डाटा वेरिफिकेशन, डिजिटल रिकॉर्ड इंटीग्रिटी, ऑनलाइन एप्लिकेशन ट्रैकिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम जैसे नवीनतम मॉड्यूल्स की जानकारी प्रदान की गई।

वक्ताओं ने बताया कि आधुनिक तकनीक आधारित ये प्रक्रियाएं निर्वाचन तंत्र को पारदर्शी, सुगम एवं डिजिटल रूप से सक्षम बनाती हैं। स्वीप प्रकोष्ठ से रोशनी भूतड़ा ने एसआईआर की संपूर्ण प्रक्रिया, उसके उद्देश्य एवं नागरिक सहभागिता की महत्ता पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसआईआर अभियान लोकतांत्रिक प्रणाली को सुदृढ़ करता है एवं प्रत्येक नागरिक को मतदाता सूची में अपना नाम सही रूप से दर्ज करवाने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम में शिक्षक जोरावरसिंह, जीवनलाल, कमलसिंह ने सहयोग किया। विद्यालय प्रशासन ने जिला स्वीप प्रकोष्ठ की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में निर्वाचन साक्षरता, लोकतांत्रिक समझ एवं नागरिक उत्तरदायित्व को मजबूती प्रदान करते हैं तथा युवाओं को डिजिटल निर्वाचन प्रणाली से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन कर देश का पहला राज्य बना राजस्थान, ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 16 को

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि

जयपुर/जैसलमेर। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 (एसआईआर2026) कार्यक्रम के तहत राज्य में मतदाता सूची का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इस उपलब्धि को "टीम राजस्थान की सामूहिक विजय" बताते हुए कहा कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बीएलओ, सहायक कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अभूतपूर्व समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और तकनीकी नवाचारों के प्रभावी उपयोग ने इस असाधारण सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है।

श्री महाजन ने बताया कि राज्य ने मतदाता मैपिंग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। 97 प्रतिशत से अधिक मतदाता मैपिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। अर्थात् केवल 3 प्रतिशत मतदाताओं को ही दावे–आपत्ति चरण में दस्तावेज प्रस्तुत करने हैं। औसतन प्रति बूथ लगभग 30 मतदाता ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी।

उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय मैपिंग से एसआईआर प्रक्रिया अत्यंत सरल एवं पारदर्शी बनती है। इससे बूथवार मतदाता प्रबंधन सुदृढ़ होता है तथा मतदाताओं को बार–बार दस्तावेज प्रस्तुत करने से राहत मिलती है।

चुनाव विभाग ने पोर्टल–आधारित सत्यापन प्रणाली और जिला हेल्पलाइन व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर कार्यप्रणाली को तेज एवं विश्वसनीय बनाया। सरल भाषा में दिशानिर्देश जारी कर सभी स्तरों पर कार्य की स्पष्टता सुनिश्चित की गई। तकनीक और मानवीय परिश्रम के समन्वय ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन स्वयं इसे "टीम राजस्थान" की जीत बताते हैं। गांव से लेकर शहर तक, बीएलओ से लेकर एईआरओ तक, और जिला निर्वाचन अधिकारियों से लेकर स्वयंसेवकों तककृहर स्तर पर एकजुटता और सतत निगरानी ने इस उपलब्धि को संभव बनाया।

दिन–रात मेहनत कर रहे कार्मिकों, विशेषकर बीएलओ और ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारियों ने जिस निष्ठा के साथ कार्य किया, वह इस उपलब्धि का मूल कारण बना। श्री महाजन के शब्दों में, "यह सफलता केवल आंकड़ों की नहीं बल्कि उस सामूहिक भावना की भी है जिसने राजस्थान को एक नया मानदंड स्थापित करने में सक्षम बनाया।"

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने राज्य के सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 में प्राप्त राजस्थान की यह ऐतिहासिक उपलब्धि तभी संभव हो सकी क्योंकि प्रदेश के नागरिकों ने पूर्ण सहयोग, जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया में समय पर सहभागिता, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और पुनरीक्षण कार्य में धैर्यपूर्वक साथ देने के लिए मतदाता विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। वृद्ध, दिव्यांग, मजदूर एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों द्वारा दिखाई गई सक्रियता लोकतंत्र के प्रति उनकी गहरी निष्ठा का प्रमाण है। श्री महाजन ने कहा कि मतदाताओं के विश्वास और सहयोग ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही सामूहिक शक्ति आगे भी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में प्रेरित करती रहेगी। श्री महाजन ने कहा कि "मतदाता सूची केवल नामों का दस्तावेज नहीं, यह नागरिक अधिकारों और चुनावी पारदर्शिता की नींव है।

मतदाता सूची शुद्धिकरण पर केंद्रित जागरूकता कार्यशाला संपन्न

जैसलमेर (**मरुमहिमा**)। मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं स्वीप प्रकोष्ठ नोडल अधिकारी रश्मि रानी तथा स्वीप प्रकोष्ठ समन्वयक प्रमोद कुमार व्यास के निर्देशन में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुम्हार पाड़ा, जैसलमेर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)–2026 के तहत एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नरेश कुमार केवलिया ने की।

कार्यशाला के दौरान विद्यालय कार्मिकों एवं विद्यार्थियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राजस्थान सहित 12 राज्यों में संचालित किए जा रहे एसआईआर कार्यक्रम की उद्देश्यपरक जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को नमूना परिगणना प्रपत्र के माध्यम से मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

स्वीप प्रकोष्ठ सदस्य मांगीलाल सोनी ने विद्यार्थियों को बीएलओ द्वारा वितरित परिगणना प्रपत्र को सही तरीके से भरने की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से प्रपत्र भरने की चरणबद्ध प्रक्रिया समझाते हुए बताया कि मृत मतदाताओं तथा दोहरी प्रविष्टियों संबंधी जानकारी भी बीएलओ को प्रदान की जानी चाहिए, जिससे मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित की जा सके।

कार्यक्रम में विद्यालय के स्टाफ सदस्य पूनम सिंह, यूसुफ खान, धर्मेंद्र, ओमप्रकाश, जुगतसिंह, सुशील जोशी, एवं रेणु, गीता, सुनीता, नेहा उपस्थित रहे।

विशेष पुनरीक्षण के तहत निर्वाचन जागरुकता कार्यक्रम संपन्न

जैसलमेर (**मरुमहिमा**)। जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलक्टर) जैसलमेर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (स्वीप प्रकोष्ठ नोडल अधिकारी) एवं जिला स्वीप प्रकोष्ठ समन्वयक के निर्देशन में मंगलवार को जैसलमेर के स्वामी विवेकानन्द मॉडल विद्यालय एवं सैंट पॉल विद्यालय में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)– 2026 पर आधारित उन्नत मतदाता जागरूकता एवं डिजिटल सक्षमता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सैंट पॉल विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य डमजीमू छ.ठ की अध्यक्षता तथा उप प्रधानाचार्य के सानिध्य में किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को निर्वाचन सूची डाटा वेरिफिकेशन, डिजिटल रिकॉर्ड इंटीग्रिटी, ऑनलाइन एप्लिकेशन ट्रैकिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम (म–थ्डै) जैसे नवीनतम मॉड्यूल्स की जानकारी प्रदान की गई। वक्ताओं ने बताया कि आधुनिक तकनीक आधारित ये प्रक्रियाएँ निर्वाचन तंत्र को पारदर्शी, सुगम एवं डिजिटल रूप से सक्षम बनाती हैं।

इसी क्रम में स्वामी विवेकानन्द मॉडल विद्यालय में एसआईआर संबंधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य उम्मेद सिंह राठोड़ की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में स्वीप प्रकोष्ठ से सुश्री रौशनी भूतरा ने एसआईआर की संपूर्ण प्रक्रिया, उसके उद्देश्य एवं नागरिक सहभागिता की महत्ता पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसआईआर अभियान लोकतांत्रिक प्रणाली को सुदृढ़ करता है एवं प्रत्येक नागरिक को मतदाता सूची में अपना नाम सही रूप से दर्ज करवाने का अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम में शिक्षकों जोरावर सिंह, जीवन लाल, कमल सिंह ने सक्रिय सहभागिता निभाई तथा विद्यार्थियों को भविष्य के जिम्मेदार एवं जागरूक मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया।

प्रदेश में 16.46 लाख वोटर्स का नाम कटने का खतरा, चुनाव आयोग से मिलेगा नोटिस

राजस्थान में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत 97 प्रतिशत से ज्यादा वोटर्स को कोई दस्तावेज नहीं देने होंगे क्योंकि इन वोटर्स की मैपिंग का काम पूरा हो चुका है।

अब केवल 3 प्रतिशत वोटर्स को ही दस्तावेज देने होंगे। 11 दिसंबर तक बीएलओ घर–घर जाकर गणना फॉर्म बांटेंगे, इसलिए आगे यह संख्या और कम होने के आसार हैं। प्रदेश में अभी 5 करोड़ 48 लाख 84 हजार 570 वोटर्स हैं। इनमें से केवल 16 लाख 46 हजार वोटर्स को ही दस्तावेज जमा करवाने पड़ेंगे। इन वोटर्स को निर्वाचन विभाग नोटिस जारी करेगा। इसके बाद भी यदि ये दस्तावेज जमा नहीं करवाएंगे तो उनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए जाएंगे।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा– प्रदेश में 97 प्रतिशत से ज्यादा वोटर्स की मैपिंग पूरी होने से अब केवल 3 प्रतिशत वोटर्स को ही दावे–आपत्ति वाले फेज में दस्तावेज देने हैं।

औसतन हर बूथ पर लगभग 30 वोटर्स ऐसे होंगे जिन्हें दस्तावेज देने की आवश्यकता होगी। 16 दिसंबर को वोटर लिस्ट के ड्राफ्ट का प्रकाशन होगा।

16 दिसंबर से 15 जनवरी तक दावे और आपत्तियां ली जाएंगी। 16 दिसंबर से नोटिस जारी कर सुनवाई और वेरिफिकेशन कर दावों और आपत्तियों का फैसला किया जाएगा।

राजस्थान महाजन ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत राजस्थान में वोटर लिस्ट का 100 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है। वोटर लिस्ट की मैपिंग में भी राजस्थान टॉप पर है। जिन्हें दस्तावेज देने होंगे और जिन्हें नोटिस मिलेंगे उनके भी नाम सीधे नहीं कटेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि सुनवाई का मौका दिए बिना किसी के नाम वोटर लिस्ट से नहीं काटा जाएगा।

भारत–पाक बॉर्डर से संदिग्ध युवक गिरफ्तार

परेशानी

जन्म-मृत्यु व मूल निवासी प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों में उलझे मतदाता

एसआइआर : अब घर-घर दस्तावेज जुटाने में बीएलओ बहा रहे पसीना

केस 1

सांगोद में बीते 20 साल से रह रही छीपाबड़ोद निवासी महिला मनभर बाई का वर्ष 2002 की सूची में नाम नहीं मिला। गणना प्रपत्र तो भरकर जमा करवा दिया, अब उनसे दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। जिन्हें बनवाने के लिए वो कई दिनों से मशक्कत कर रही है।

केस 2

सांगोद निवासी जगदीश की बहन की मौत कुछ साल पहले हो गई। अब नाम हटवाने के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र मांगा जा रहा है। इन दस्तावेजों को लेने के लिए फिर बीएलओ बार-बार घर का चक्कर काट रहा है।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सांगोद. यह तो एक बानगीभर है। मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण को लेकर चल रहे एसआइआर अभियान में गणना प्रपत्र संबंधी काम पूरा होने के बाद इन दिनों फिर बीएलओ मतदाताओं के घर-घर चक्कर काट रहे हैं। जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र के दौरान दस्तावेजों की पूर्ति नहीं हो सकी, उन मतदाताओं के दस्तावेज लेने के लिए बीएलओ घर-घर पहुंच रहे हैं।

इधर, दस्तावेजों के लिए मतदाताओं को भी सरकारी दफ्तरों पर निर्भरता एकाएक बढ़ गई है। कोई जन्म प्रमाण पत्र के लिए तो कोई मृत्यु व मूल निवासी या अन्य दस्तावेजों के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। जिन लोगों को कभी बरसों से जन्म प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं पड़ी वो भी बरसो अब अपने जन्म प्रमाण पत्र के लिए पसीना बहाने को मजबूर हैं।

सांगोद में एसआइआर संबंधी काम में जुटे बीएलओ।

अब दस्तावेजों के लिए चक्कर: गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण के बाद अब इनकी मैपिंग होनी है। सौ प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति जल्द करवाने के फेर में अधिकारियों ने गणना प्रपत्र तो भरकर बीएलओ से मंगवा लिए लेकिन कई गणना प्रपत्रों में दस्तावेजों की कमी रह गई। अब कई बीएलओ फिर दस्तावेज पूर्ति के लिए मतदाताओं के पास पहुंच रहे हैं। सूची में नाम नहीं कट जाए, इसके लिए मतदाता भी दस्तावेजों की पूर्ति के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं।

यह दस्तावेज है मान्य

केंद्र या राज्य सरकार या पीएसयू के नियमित कर्मचारी या पेंशनभोगी को जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र या पेंशन भुगतान आदेश	जन्म प्रमाण पत्र
1 जुलाई, 1987 से पहले सरकार / स्थानीय प्राधिकरण/ डाकघर/बैंक/ एलआईसी/पीएसयू द्वारा जारी कोई भी पहचान पत्र, प्रमाण पत्र या दस्तावेज	पासपोर्ट
मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन या शैक्षिक प्रमाण पत्र	स्थायी निवास प्रमाण पत्र
आधार कार्ड	वन अधिकार प्रमाण पत्र
	ओबीसी/एससी/एसटी या कोई भी जाति प्रमाण पत्र
	राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर
	राज्य या स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा तैयार किया गया परिवार रजिस्टर
	सरकार द्वारा जारी कोई भी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण पत्र

एसआइआर को लेकर बीएलओ की बैठक

पीपल्दा @ पत्रिका. कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में एसआइआर को लेकर बीएलओ की बैठक हुई। जिसमें बीएलओ द्वारा बीएलएएस निर्वाचक उपस्थित रहे। बैठक में अप्राप्त परिगणना प्रपत्र वाले निर्वाचकों की सूचियां सम्बंधित बीएलएएस को उपलब्ध करवाई गई। बैठक में उपस्थित सभी निर्वाचकों व सदस्यों को एसआइआर की विस्तृत जानकारी से अवगत करवाया गया। इस अवसर पर बीएलओ विनोद गोचर, महावीर प्रसाद, विष्णु शर्मा, गोविंद राठी आदि उपस्थित रहे।

Scanned with OK

दैनिक भास्कर सिरोही-आबूरोड भास्कर 08-12-2025

एसडीएम ने किया बूथों का निरीक्षण, वोटर लिस्ट संशोधन कार्य के निर्देश

भास्कर न्यूज | माउंट आबू

बूथ संख्या 177 और 178 पर आयोजित एसआईआर कैंप का उपखंड अधिकारी डॉ. अंशु प्रिया ने शनिवार को निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ और बीएलए से वोटर लिस्ट में चल रहे संशोधन कार्य की जानकारी ली।

एसडीएम ने बताया कि जिन मतदाताओं के नाम दो जगह दर्ज हैं, उन्हें सही स्थान पर शिफ्ट किया जाए और जहां भी उनकी वास्तविक निवास स्थायी है, वही नाम रखा जाए। इसी प्रकार जो व्यक्ति अब इस दुनिया में नहीं रहे हैं, उनके नाम सूची से हटाए जाएं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने अधिकारियों को समयबद्ध और सटीक रूप से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इस मौके बीएलओ बसंत, बीएलए भगवानाराम, बूथ अध्यक्ष अरविंद रावल, हीरसिंह भाटी, सुनील आचार्य और भगवानाराम राणा उपस्थित रहे।

माउंट आबू. एसडीएम की ओर से बूथ का निरीक्षण किया गया।

एसआईआर कार्य पूरा करने पर बीएलओ का सम्मान

रेवदर | राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल जोलपुर में संस्था प्रधान मोहम्मद असलम की ओर से एसआईआर का कार्य शत प्रतिशत पूरा करने पर बीएलओ विनोद कुमार व सहायक बीएलओ थानाराम का सम्मान किया। संस्था प्रधान ने बताया कि दोनों बीएलओ ने बिना किसी तनाव के कार्य को योजनाबद्ध रूप से पूरा किया। व्याख्याता चेतनराम, हुकमीचंद मकराणा, गौतम माली, हरीश सुखवाल, दीपकराज, जयप्रकाश, लक्ष्मी सुथार व अमृतलाल मौजूद थे।

पत्रिका

आस्था के इस केंद्र में हुई वारदात से इस पर तुरंत ही मंदिर के ट्रस्टी अशोक दिए, लेकिन मंदिर के अंदर लगे कैमरे चोरों को पकड़ने में नाकाम रही है। पैदा कर दिया है।

निर्धारित तिथि से पूर्व जिले ने हासिल किया लक्ष्य, कार्मिकों में खुशी

सिरोही जिले में डिजिटाइजेशन कार्य शत-प्रतिशत हुआ पूरा, 3.98 फीसदी मतदाता नहीं दे पाए सबूत

सिरोही @ पत्रिका. सिरोही जिले का काफी हिस्सा आदिवासी व पहाड़ी क्षेत्र होने के बावजूद कर्मचारियों के जज्बे और मेहनत की बदौलत विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों का डिजिटाइजेशन समय से पूर्व शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया है। इससे अधिकारी-कर्मचारियों में खुशी छायी हुई है। जिले की पिंडवाड़ा आबू और रेवदर विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में तो दुर्गम रास्ते, नेटवर्क की समस्या और फलियों में लोगों के निवास करने के बावजूद डिजीटलीकरण शतप्रतिशत पूरा कर लिया गया है, जो कि काबिलेतारीफ है।

सिरोही. वराड़ा में मतदाताओं को जानकारी देते बीएलओ संजय शर्मा।

जिला प्रशासन के अनुसार सिरोही जिले की तीनों विधानसभाओं में 100 फीसदी गणना प्रपत्र वितरित किए और 89.64 प्रतिशत से अधिक का डिजीटलीकरण पूर्ण हो चुका है। अधिकारियों की लगातार मॉनिटरिंग और अमजन से संवाद कर प्रेरित करना भी इसमें सहयोगी रहा। बीएलओ एवं तकनीकी कार्मिकों ने भी कार्य के प्रति समर्पण और उत्साह से कार्य को अंजाम दिया।

जिले में 3.98 फीसदी मतदाता नहीं दे पाए सबूत

सिरोही जिले में 89.64 प्रतिशत से अधिक का डिजीटलीकरण पूर्ण हो चुका है। जिले में गणना प्रपत्र भी सौ फीसदी वितरित किए गए हैं, लेकिन 3.98 फीसदी मतदाताओं ने आवेदन तो कर दिए, लेकिन अभी तक 2002 की वोटर लिस्ट का सबूत नहीं दे पाए हैं। ऐसे में जिले में करीब 34 हजार मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो सकी है।

हालांकि तीनों विधानसभाओं में प्रतिदिन वंचित मतदाता रिकॉर्ड खोजकर ला रहे हैं। परिगणना अवधि की अंतिम तिथि 11 दिसंबर है। जिन मतदाताओं ने अब तक अपनी मैपिंग संबंधी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है, वे संबंधित बूथ लेवल अधिकारी की सहायता से अपने 2002 के रिकॉर्ड खोजकर मैपिंग कार्य पूर्ण करवा सकते हैं।